

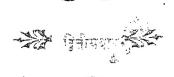




जिसक<u>ो</u>

संशोनवलिक्शोर (की जाते की किया है। अदेशान्तर्गत का किया है। शदत्त सुद्धलके के किया है। रत व मधुः

उसीको इसबार उद्यास प्रतेशकार व प्राप्त निवासि पण्डित रामविहारी शुक्कारा संस्कृत स्राप्त प्राप्त निवासी पुनस्तारी स्राप्त स्वास्त्र स्





मुंशीनृवलाकिशोर (सी, ने उद्देशको छापेलाने में क्या सन्१३०४ ई०